यह प्रश्न सृष्टिकर्ता के बारे में ग़लत धारणा एवं उसे सृष्टि के समरूप समझने के कारण पैदा हुआ है। यह धारणा तार्किक और दार्शनिक दोनों रूप से अस्वीकृत है। उदाहरण स्वरूप :

क्या कोई व्यक्ति एक साधारण प्रश्न का उत्तर दे सकता है कि लाल रंग की गंध क्या होती है ? बेशक, इस सवाल का कोई जवाब नहीं है। क्योंकि लाल रंग को उन चीजों में वर्गीकृत नहीं किया जाता है जिन्हें सूंघा जा सकता है।

उदाहरण के लिए, टीवी या रेफ्रिजरेटर जैसी वस्तु या माल का निर्माता, उपकरण के उपयोग के लिए कुछ नियम निर्धारित करता है और इन निर्देशों को एक पुस्तिका में लिखता है, जो बताती है कि उपकरण का उपयोग कैसे करें और उस पुस्तिका को उस डिवाइस के साथ रख देता है। यदि उपभोक्ता उस डिवाइस से वांछित लाभ उठाना चाहता है, तो उसे इन निर्देशों का पालन करना होता है, जबकि निर्माता स्वयं इन क़ानूनों के अधीन नहीं है।

पिछले उदाहरणों से हम समझ सकते हैं कि हर कारण का कोई उत्पन्न करने वाला होता है, परन्तु आसान शब्दों में अल्लाह का कोई उत्पन्न करने वाला नहीं है और न उसे उन चीज़ों में वर्गीकृत किया जा सकता है, जिन्हें पैदा किया जा सके। क्योंकि वही अव्वल है, वह हर चीज़ से पहले है, अत: वही साधन का असली उतपन्न करने वाला है। यद्यपि कार्य-कारण का नियम ईश्वर के ब्रह्मांडीय नियमों में से ही है, मगर अल्लाह पाक जो चाहता है, करता है, वह पूर्ण सामर्थ्यवान है।